अमेरिका से तनाव के बीच चीन और रूस आर्थिक मंच पर दिखाएंगे एकजुटता

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग आर्थिक ताकत दिखाने के लिए रूस की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में शुक्रवार को मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए.

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मॉस्को : चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग आर्थिक ताकत दिखाने के लिए रूस की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में शुक्रवार को मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए. अमेरिका के साथ चल रहे तनाव के प्रति दोनों मुल्कों ने इस मंच के जरिए एकजुटता दिखाने की कोशिश की. शी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मुलाकात के लिए तीन दिवसीय दौरे पर बुधवार को मॉस्को पहुंचे और क्रेमलिन में हुई बैठक के दौरान रूसी नेता को अपना सबसे अच्छा मित्र बताया.

दौरे के समापन के वक्त शी और उनके मेजबान वार्षिक 'सेंट पीटर्सबर्ग इकोनॉमिक फोरम' के एक पूर्ण सत्र में नजर आएंगे. रूस को उम्मीद है कि इस मंच के जरिए वह अनिश्चित कारोबारी माहौल के बावजूद विदेशी निवेशकों को लुभाने में कामयाब रहेंगे. शी सतत विकास एवं बहुपक्षीय सहयोग पर चीन के विचार रखेंगे. 'मैक्रो एडवाइसरी' कंपनी के एक वरिष्ठ साझेदार क्रिस वीफर ने कहा कि 2019 का मंच, बहुत स्पष्ट तौर पर बताएगा कि विश्व कितना द्विध्रुवीय हो गया है.उन्होंने कहा, इसी हफ्ते जब राष्ट्रपति ट्रंप लंदन में महारानी के साथ चाय पी रहे होंगे, राष्ट्रपति पुतिन सेंट पीटर्सबर्ग में राष्ट्रपति शी की मेजबानी कर रहे होंगे.

इस बीच चीन अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध में उलझा हुआ है. रूस और चीन के बीच आर्थिक संबंध हाल के कुछ वर्षों में बढ़े हैं हालांकि यह अधिकतर चीन के पक्ष में ही रहा है. शी के इस दौरे के दौरान ई-कॉमर्स, दूरसंचार, गैस एवं अन्य क्षेत्रों में दर्जनों व्यावसायिक करार किए जा चुके हैं. शी आर्थिक मंच पर पहली बार अपनी मौजूदगी भले ही दर्ज करा रहे हों लेकिन उनके और पुतिन के बीच हाल के कुछ सालों में लगातार मुलाकात होती रही है.

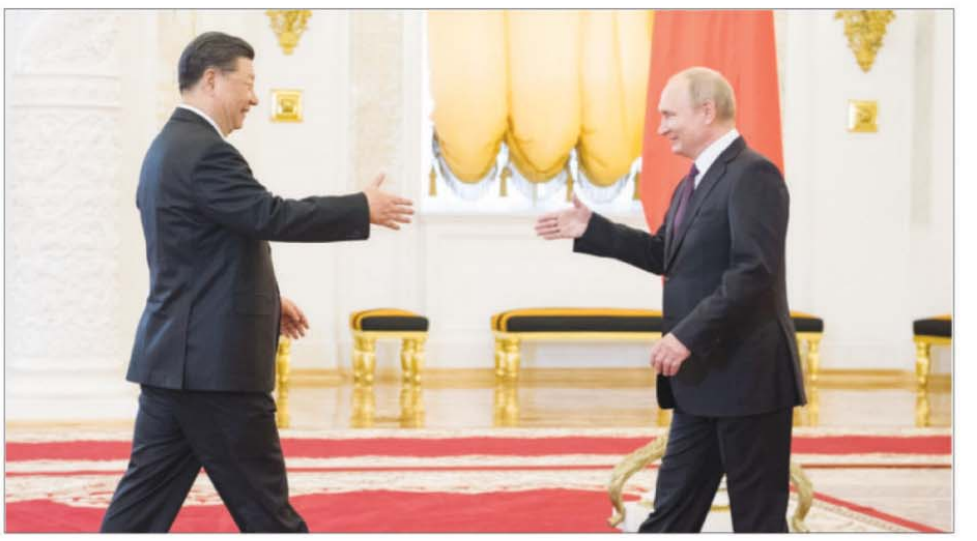

दुबई में भीषण बस हादसे में 8 भारतीयों समेत 17 लोगों की मौत, 9 घायल

दुबई : एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को कहा कि दुबई में बस हादसे में मरने वाले 17 लोगों में कम से कम आठ भारतीय शामिल हैं. हादसा गुरुवार को तब हुआ जब ओमानी नंबर प्लेट वाली बस का चालक अल रशिदिया मेट्रो स्टेशन की तरफ जाने वाली सड़क पर वाहन को ले गया जो बसों के लिए निषिद्ध है. हादसे में नौ लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं.

दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने ट्वीट किया, ''हमें यह सूचना देते हुए अत्यंत दुख हो रहा है कि स्थानीय अधिकारियों और रिश्तेदारों के अनुसार दुबई बस हादसे में आठ भारतीयों की मौत की पुष्टि हुई है.'' गल्फ न्यूज के अनुसार इस पर्यटक बस में 31 लोग सवार थे. यह एक बैरियर से टकरा गई. इससे इसका बायां हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया जिससे बाई तरफ बैठे यात्रियों की मौत हो गई. भारतीय वाणिज्य दूतावास ने हादसे में मरने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना वयक्त की है. इसने ट्वीट किया, ''वाणिज्य दूत ने अन्य अधिकारियों और समुदाय सदस्यों के साथ देर रात संबंधित रिश्तेदारों से मुलाकात की और अस्पताल तथा पुलिस अधिकारियों से भी बात की तथा हरसंभव मदद का आश्वासन दिया.'' वाणिज्य दूतावास ने कहा कि मरने वाले भारतीयों में राजगोपालन, फिरोज खान पठान, रेशमा फिरोज खान पठान, दीपक कुमार, जमालुद्दीन अरक्कावेतिल, किरण जॉनी, वासुदेव और तिलकराम जवाहर ठाकुर शामिल हैं.

भारत से रिश्ते सुधारना चाहता है पाक, एस जयशंकर को पत्र लिखकर कहा- दोनों देशों को बातचीत करनी चाहिए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली : पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने भारत के विदेश मंत्री के रूप में उनकी नियुक्ति पर बधाई दी है. जयशंकर ने पिछले शुक्रवार को पदभार संभाला था. इससे पहले जयशंकर विदेश सचिव थे.इस पत्र में कुरैशी ने भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत की भी वकालत की है. उल्लेखनीय है कि बीते 14 फरवरी को पुलवामा में सीआरपीएफ काफिले पर हुए आतंकी हमले के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों में और खटास आ गई. इस हमले को पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी समूह जैश-ए-मोहम्मद ने अंजाम दिया था.

कुरैशी का यह पत्र पाकिस्तानी विदेश सचिव सोहेल महमूद के ईद पर भारत दौरे के तुरंत बाद आया है. सोहेल महमूद ने ईद पर दिल्ली की ऐतिहासिक जामा मस्जिद में नमाज अदा की थी. पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया था कि उनकी यात्रा एक व्यक्तिगत यात्रा थी और पाक विदेश सचिव और किसी भी भारतीय अधिकारी के बीच कोई बैठक निर्धारित नहीं थी.इससे पहले गुरुवार को ही भारत ने कहा था कि अगले हफ्ते किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के उनके समकक्ष इमरान खान के बीच किसी भी द्विपक्षीय बैठक की कोई योजना नहीं है.

दरअसल ऐसी संभावना थी कि टेलीफोन पर दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच हुई बातचीत के कुछ दिन बाद ही पाकिस्तान के विदेश सचिव सोहेल महमूद के भारत आने के आलोक में मोदी और खान के बीच द्विपक्षीय बैठक हो सकती है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा, ''मेरी जानकारी के हिसाब से हमारे प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के बीच किसी भी द्विपक्षीय बैठक की योजना नहीं है.

21 साल की उम्र में 196 देश घूम चुकी है यह लड़की, बोली- 2016 से ही शुरू कर दिया था सफर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली: अमेरिका की 21 साल की लेक्सी एल्फोर्ड दुनिया की सबसे कम उम्र की ऐसी महिला बन गई हैं, जिन्होंने इतनी छोटी उम्र में ही दुनिया का हर हिस्सा घूम लिया है. 30 मई को उत्तर कोरिया पहुंची लेक्सी के लिए यह देश उनके सफर का आखिरी देश था. जिसके साथ उन्होंने दुनिया के सारे देश घूमने का अपना सफर पूरा कर लिया है. उत्तर कोरिया में अपने सफर को खत्म करने के साथ ही उन्होंने 24 साल पुराना गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है और अब सबसे कम उम्र में देश के सभी हिस्से घूमने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है.

बता दें इससे पहले यह रिकॉर्ड कैसी द पेकॉल के नाम था, जिन्होंने मात्र 27 साल की उम्र में पूरी दुनिया घूमने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया था. कैसी द पेकॉल ने सबसे कम उम्र में दुनिया के सभी देश

घूमने के साथ ही सबसे तेजी से दुनिया घूमने वाली महिला का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया था. वहीं अपनी उपलब्धि पर लेक्सी का कहना है कि, वह बचपन से ही पूरी दुनिया घूमने का ख्वाब देखती थीं. जिसे उन्होंने पूरा करने का फैसला किया और अपने सफर पर निकल पड़ीं. लेक्सी ने बताया कि कैलिफोर्निया में उनका परिवार एक ट्रैवल एजेंसी चलाता था.

उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता अक्सर उनका स्कूल बदल देते थे और हर साल उन्हें पढ़ने के लिए अलग जगह भेज देते थे. जैसे-जैसे वह बड़ी होती गई मुझमें दूसरे देश घूमने का रुझान बढ़ता रहा. वहीं इस दौरान मेरे माता-पिता मुझे कंबोडिया के तैरते गांवों से लेकर दुबई के बुर्ज खलीफा और मिस्त्र के पिरामिड्स तक ले गए. इसके साथ ही वह मुझे इसके इतिहास और महत्व के बारे में भी बताते रहे. जिससे इन सब चीजों का मुझ पर इतना प्रभाव हुआ की मैंने फैसला लिया कि मैं दुनिया का हर छोर देखना चाहती हूं. लेक्सी ने बताया कि उन्होंने 2016 से ही देश के सभी हिस्से घूमना शुरू कर दिया था. जब वह 18 साल की थीं, तभी 78 देश घूम चुकी थीं.